Sanskrita Padho Bachchom Ko Eka Salaha

संस्कृत पढ़ो बच्चों को एक सलाह

Document Information

Text title : Sanskrita Pa.dho Bachchom Ko Eka Salaha

File name : sanskRRitapaDhobachchoMkoekasalAha.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

Sanskrita Padho Bachchom Ko Eka Salaha

संस्कृत पढ़ो बच्चों को एक सलाह

बच्चों, संस्कृत पढ़ो प्रेम से इसको नहीं भुलाओ,
यदि सुयोग्य बनना चाहो तो इसका ज्ञान बढ़ाओ । ०
संस्कृत पढ़ने से ही होगा शुद्ध साफ उच्चारण,
भाषा का भी ज्ञान बढ़ेगा संस्कृत के ही कारण,
तभी लेख लिखने में भी हो तुम आगे बढ़ सकते,
संस्कृत पढ़ने से तुम अच्छी कविता भी कर सकते,
इसी हेतु संस्कृत पढ़ने में अब से भी लग जाओ,
साथ साथ हिन्दी-इंग्लिश के इसमें भी डट जाओ । १
संस्कृत पढ़ने में जो बच्चे करते आज ढिलाई,
आगे चलकर किन्तु न होगी, उनकी कभी भलाई ।
मौका आने पर अपने को जब अयोग्य पायेंगे,
भरी सभा में नतमस्तक हो निश्चित पछतायेंगे,
इसीलिये अब से भी सँभलो, सावधान हो जाओ,
बच्चों, संस्कृत पढ़ो प्रेम से इसको नहीं भुलाओ । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Padho Bachchom Ko Eka Salaha
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*